>

Title: Need to link the raods of border areas in Bihar with the National Highways.

श्री महेश्वर हज़ारी (समस्तीपुर): सभापति महोदय, बिहार राज्य में नेशनल हाइवेज की सड़कें केन्द्र सरकार के सड़क परिवहन मंत्रालय की उपेक्षा के कारण या तो बन नहीं पा रही हैं या जो आधी-अधूरे बनी हैं, वह धनराशि उपलब्ध न कराने की वजह से मरम्मत नहीं हो पाने के कारण टूट रही हैं। राज्य सरकार द्वारा बार-बार परिवहन मंत्रालय से सड़कों के निर्माण हेतु लम्बित परियोजनाओं की स्वीकृति की मांग की जा रही है, परंतु केन्द्र सरकार है कि सुनने को तैयार नहीं है।

महोदय, मैं अपने बिहार राज्य की एक सड़क की उपेक्षा के संबंध में सदन का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। एन.एच. 103 सड़क का आधा-अधूरा निर्माण वर्ष 2008-2010 में हुआ था, पर खेद की बात है कि उसके द्वितीय चरण की स्वीकृति वर्तमान समय तक मंत्रालय के समक्ष लंबित है। राज्य सरकार द्वारा बार-बार मंत्रालय को प्राक्कलन भेजा गया, पर केन्द्र सरकार किन कारणों से स्वीकृति नहीं दे रही है, समझ से परे है।

एन.एच. 103 सड़क जिला वैशाली से समस्तीपुर और बेगुसराय को जोड़ती है। इसकी लंबाई 59 किलोमीटर है तथा यह इन जिलों की मुख्य सड़क मार्ग भी है। इसके निर्माण में केन्द्र सरकार द्वारा घोर लापरवाही बरती जा रही है, यह चिंताजनक है।

महोदय, इसी मार्ग में जन्दाहा के आगे बाया नदी पर अत्यंत पुराना एक जर्जर पुल है, वह कभी भी ध्वस्त हो सकता है। इस पुल के निर्माण हेतु भी राज्य सरकार द्वारा कई बार वर्ष 2008 से ही प्राक्कलन भेजा जा रहा है, पर खेद की बात है कि इस पुल के निर्माण की भी स्वीकृति मंत्रालय द्वारा नहीं दी जा रही है।

मेरा आग्रह है कि अविलम्ब एन.एच. 103 के द्वितीय चरण और बाया नदी पर पुल के निर्माण हेतु मंत्रालय के समक्ष राज्य सरकार द्वारा की गई सिफारिशों पर अमल सुनिश्चित किया जाए, जिससे सड़क के दूसरे चरण का निर्माण का रास्ता प्रशस्त हो और स्थानीय जनता को सुदृढ़ सड़क का लाभ मिल सके। साथ ही बिहार सरकार द्वारा राष्ट्रीय राज मार्ग को बिहार सरकार अपने कोष से निर्माण कराया गया था। उस राशि का भारत सरकार बिहार सरकार को भुगतान करे, जिससे वह अगले चरण में भी काम कर सके।